भारत-अमेरिका टैरिफ विवाद और उसका रणनीतिक असर

यूपीएससी प्रासंगिकता

- **सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2: अंतर्राष्ट्रीय संबंध, द्विपक्षीय संबंध: भारत-अमेरिका व्यापार और रणनीतिक संबंध**

समाचार में क्यों?

- हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की अर्थव्यवस्था को **"मृत"** कहा और भारत रूस रणनीतिक संबंधों औरव्यापार असंतुलन का हवाला देते हुए भारतीय निर्यातों पर 25% का नया टैरिफ लगा दिया है। ये घटनाएँ दिखाती हैं कि भारत-अमेरिका रिश्तों में अब साधारण व्यापार विवाद से आगे बढ़कर भू-राजनीतिक शर्तें भी जुड़ने लगी हैं।

पृष्ठभूमि: भारत–अमेरिका व्यापार संबंध

मजबूत द्विपक्षीय व्यापार

- भारत और अमेरिका लंबे समय से मजबूत आर्थिक साझेदारी बनाए हुए हैं।
- 2023 में दोनों देशों का वस्तु व्यापार 118.28 अरब डॉलर तक पहुँच गया।

जारी व्यापारिक तनाव

हालाँकि व्यापार का स्तर ऊँचा है, लेकिन कई नीतिगत विवादों ने संबंधों को तनावपूर्ण बनाया है:

1. **टैरिफ और मार्केट एक्सेस**

- 2019 में अमेरिका ने भारत को दिए गए GSP (Generalized System of Preferences) लाभ वापस ले लिए।
- इसकी वजहभारत में ऊँचे टैरिफ और अमेरिकी कंपनियों को सीमित बाजार पहुँच बताई गई।

2. डिजिटल व्यापार विवाद

- प्रमुख मुद्दों में शामिल हैं:
    - डेटा लोकलाइजेशन नियम
    - ई-कॉमर्स रेगुलेशन
    - भारत का डिजिटल सर्विस टैक्स, जिसे अमेरिकी कंपनियाँ भेदभावपूर्ण मानती हैं।

3. भू-राजनीतिक असहमति

- रूस के साथ भारत के रक्षा और ऊर्जा संबंध अमेरिका की नजर में चिंता का विषय बना हुआ है।
- खासकर यूक्रेन संघर्ष के दौरान वॉशिंगटन को भारत की रणनीतिक स्थिति पर संदेह है।

4. व्यापार समझौतों पर सीमित प्रगति

लगातार बातचीत के बावजूद कोई व्यापक व्यापार समझौता (Comprehensive Trade Pact) नहीं हो पाया है।

- दोनों देशों ने अनसुलझे मुद्दों के कारण मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर हस्ताक्षर करने से परहेज़ किया है।
- वार्ताएं अक्सर नियामकीय मतभेदों और घरेलू दबावों की वजह से रुक जाती हैं।

भारत पर प्रभाव

1. निर्यात क्षेत्रों पर दबाव

नए अमेरिकी टैरिफ भारतीय उद्योगों को नुकसान पहुँचा सकते हैं।

- वस्त्र, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद और ऑटो कम्पोनेंट जैसे क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता घट सकती है।
- इससे निर्यात-आधारित उद्योगों में बाज़ार हिस्सेदारी कम हो सकती है और नौकरियों पर असर पड़ सकता है।

2. रणनीतिक स्वायत्तता पर असर

विदेश नीति विकल्पों से व्यापार लाभ को जोड़ना भारत की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है।

- अमेरिका का भारत-रूस संबंधों से व्यापार को जोड़ना कूटनीतिक दबाव पैदा करता है।
- इससे भारत की स्वतंत्र विदेश नीति अपनाने की क्षमता कमज़ोर हो सकती है।

3. घरेलू नीतिगत स्वतंत्रता पर रोक

अमेरिकी आपत्तियाँ भारत की डिजिटल नीतियों की स्वतंत्रता घटा सकती हैं।

- अमेरिका का दबाव डेटा स्थानीयकरण, गोपनीयता नियम और डिजिटल टैक्स लागू करने की भारत की क्षमता को प्रभावित कर सकता है।
- भारत को संप्रभुता और बाज़ार तक पहुँच के बीच समझौता करना पड़ सकता है।

IAS PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी

4. वैश्विक छवि पर प्रभाव

व्यापार अस्थिरता से भारत की विश्वसनीय सप्लाई-चेन केंद्र की छवि को नुकसान पहुँच सकता है।

- वैश्विक निवेशक और साझेदार भारत को कम पूर्वानुमेय मान सकते हैं, खासकर अन्य एशियाई अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में।
- इससे भारत के चीन के विकल्प के रूप में उभरने की कोशिशें धीमी पड़ सकती हैं।

भारत की नीतिगत प्रतिक्रिया

1. निर्यात बाज़ारों का विविधीकरण

- अमेरिका पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए ASEAN, यूरोपीय संघ, अफ्रीका और मध्य-पूर्व के साथ व्यापार बढ़ाना।

IAS-PCS Institute

2. अन्य अर्थव्यवस्थाओं के साथ FTA आगे बढ़ाना

- यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और यूएई के साथ चल रही FTA वार्ताओं को तेज़ करना।

3. रक्षात्मक लेकिन मज़बूत कूटनीति

- भारत ने साफ़ कहा है कि वह खासकर रूस को लेकर अपनी संप्रभु विदेश नीति अपनाने का अधिकार रखता है।

4. आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा

- घरेलू उद्योगों और MSMEs को मज़बूत करना ताकि बाहरी जोखिमों पर निर्भरता घटे।
- मज़बूत सप्लाई चेन बनाना और प्रमुख क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता बढ़ाना।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
www.resultmitra.com
9235313184, 9235440806

आगे की राह: भारत–अमेरिका व्यापार संबंधों को मज़बूत करना

1. भू-राजनीति को व्यापार से अलग करना

रणनीतिक मुद्दों को आर्थिक वार्ताओं से अलग रखना चाहिए।

- भारत को कूटनीतिक माध्यमों से अपनी रणनीतिक निष्पक्षता की नीति (खासतौर पर रूस को लेकर) स्पष्ट करनी होगी।
- इससे विदेश नीति मतभेदों का असर व्यापारिक फैसलों पर पड़ने से रोका जा सकेगा।

2. अधिक रोज़गार देने वाले क्षेत्रों की सुरक्षा

श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए व्यापारिक छूट सुनिश्चित करनी होगी।

- भारत को ऐसे क्षेत्रों के लिए टैरिफ छूट या विशेष व्यापार शर्तों पर बातचीत करनी चाहिए, जैसे:
  - वस्त्र उद्योग
  - रत्न और आभूषण
  - दवा उद्योग
  - इलेक्ट्रॉनिक्स
- ये उद्योग रोज़गार और निर्यात दोनों के लिए अहम हैं।

3. घरेलू प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देना

आंतरिक सुधारों के माध्यम से भारतीय निर्यात को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना।

- व्यापारिक अवसंरचना (बंदरगाह, सड़कें, कस्टम) को बेहतर बनाना।
- तकनीक, कौशल विकास और विनिर्माण सुधारों में निवेश कर निर्यात लागत को कम करना।

4. WTO विवाद निवारण तंत्र का उपयोग

बहुपक्षीय नियमों के माध्यम से व्यापारिक हितों की रक्षा करना।

- अनुचित अमेरिकी टैरिफ को चुनौती देने के लिए विश्व व्यापार संगठन (WTO) का सहारा लेना।
- नियम-आधारित व्यापार पद्धतियों को बनाए रखना और विकासशील अर्थव्यवस्था के रूप में भारत के अधिकारों को स्थापित करना।

IAS-PCS Institute

5. जन कूटनीति को मज़बूत करना

साफ़ और सक्रिय संचार से धारणाओं को बदला जा सकता है।

- भारत को अमेरिकी नीति-निर्माताओं, मीडिया और कारोबारी वर्ग को अपनी व्यापार नीतियों के बारे में स्पष्ट करना चाहिए।
- इससे ग़लत धारणाओं को दूर करने और भारत की आर्थिक नीयत पर भरोसा बनाने में मदद मिलेगी।

निष्कर्ष

भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध एक अहम मोड़ पर हैं। आर्थिक परस्पर निर्भरता बनी हुई है, लेकिन व्यापारिक रिश्तों का बढ़ता राजनीतिकरण भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और निर्यात प्रतिस्पर्धा दोनों के लिए चुनौती है। इस जटिल परिस्थिति से निपटने के लिए एक संतुलित रणनीति—जो कूटनीति, विविधीकरण और घरेलू क्षमता निर्माण पर आधारित हो—अनिवार्य है।

Result Mitra रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 8235313184, 8235840806

UPSC प्रीलिम्स अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1.भारत की व्यापार नीति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत, दक्षिण एशिया में अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।
2. भारत ने अमेरिका के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर हस्ताक्षर किए हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1

B. केवल 2

C. 1 और 2 दोनों

D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

मेन परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. "रणनीतिक विकल्पों को व्यापारिक प्राथमिकताओं से जोड़ना आर्थिक दबाव का एक नया रूप है।" हालिया भारत-अमेरिका व्यापारिक विकासों के संदर्भ में विवेचना कीजिए। (250 शब्द)

IAS-PCS Institute
Result Mitra